Important Questions for Class 12

Hindi Aroh

Chapter 14 - शरीष केफूल

अति लघु उत्तरीय प्रश्न **1 अंक**

1. लेखक शिरीष फूल की तुलना किससे करते हैं?
उत्तर: लेखक शिरीष फूल की तुलना वसंत ऋतु में खिलने वाले पलाश के फूल से करते हैं।

2. रिक्त स्थान को पूरा करो। कबीर दास को इस..... पसंद नहीं था।
उत्तर: कबीर दास को इस तरह से पंद्रह - बीस दिनों के लिए शिरीष के फूलों की लहक का उठना पसंद नहीं था।

3. लेखक अति परिचित और अति प्रामाणिक सत्य किसे मानते हैं?
उत्तर: लेखक जन्म और मृत्यु को संसार का अति परिचित और अति प्रामाणिक सत्य मानते हैं।

4. लेखक शिरीष को अद्‌भुत अवधूत क्यों कहते हैं?
उत्तर: शिरीष फूल के लिए हर स्थिति एक समान है। अतः हर स्थिति में एक समान बने रहना ही इसकी प्रवृत्ति है इसलिए लेखक शिरीष को अद्‌भुत अवधूत कहते है।

लघु उत्तरीय प्रश्न **2 अंक**

1. लेखक जहां बैठकर लिख रहा था वहां का वातावरण कैसा था?
उत्तर: लेखक जहां बैठकर लिख रहा था वहां चारों ओर शिरीष फूल के पेड़ उपस्थिति थे। जिससे वहां का वातावरण बहुत ही सुंदर और आकर्षक लग रहा था। साथ ही जेठ माह की धूप धरती को और अधिक तपा रही थी।

2. लेखक के अनुसार जीवन की अजेयता का मंत्र प्रचार कौन करता रहता है?
उत्तर: लेखक के अनुसार शिरीष फूल अजेयता का मंत्र प्रचार करता रहता है क्योंकि लू के कारण जहां लोगों के प्राण सूखने लगते हैं वहाँ शिरीष के फूल अवधूत की भांति हर

परिस्थिति में एक समान बने रहते हैं।

3. कालिदास ने शिरीष के फूलों के बारे में क्या लिखा है?
उत्तर: कालिदास ने शिरीष के फूलों के बारे में यह लिखा है "पद्म सहते भ्रमरस्य पेलवं शिरीष पुष्पम न पुन: पतत्रिणाम"। अतः शिरीष के फूल केवल भँवरों के कोमल पैरों के दाब को ही सहन कर सकते हैं, पक्षियों के दाब को नहीं।

4. शिरीष के फूलों को देखकर लेखक को क्या अभाव होता है?
उत्तर: शिरीष के फूलों को देख कर लेखक के मन में यह भाव होता है कि जिस प्रकार किसी वस्तु का जन्म होता है उसी प्रकार उसका अंत भी होता है। ठीक इसी तरह ये शिरीष के फूल भी एक दिन झड़ जाएंगे।

5. लेखक ऐसा क्यों कहते हैं कि "महाकाल कोड़ चलाते हैं"?
उत्तर: लेखक के अनुसार यमराज मनुष्य पर लगातार कोड़े से प्रहार करते हैं। जिससे मनुष्य के जीवन में सुख-दुख जैसी परिस्थितियां उत्पन्न होती है। मनुष्य के लिए यह पीड़ा जनक होती है परन्तु तब भी मनुष्य के भीतर कभी भी जीने की ललक कम नहीं होती है।

लघु उत्तरीय प्रश्न **3 अंक**

1. शिरीष के फूलों और फलों में क्या अंतर है?
उत्तर: शिरीष के फूल कोमल और आकर्षक होते हैं जबकि इसके विपरीत इसके फल इतने अधिक मजबूत होते हैं के नए फूल निकल आने पर भी यह अपना स्थान नहीं छोड़ते। जब तक नए फल एवं पत्ते धकेल कर इन्हें बाहर ना निकाल दे ये अपने स्थान पर बने रहते हैं।

2. कालिदास पर लेखक ने क्या टिप्पणी की है?
उत्तर: लेखक ने कालिदास को अनासक्त योगी कहकर संबोधित किया है। लेखक के अनुसार कालिदास भी शिरीष फूल के समान सरस और मादक रहे होंगे तभी तो उन्होंने "मेघदूत" जैसी काव्य की रचना की है।

3. लेखक ने कालिदास को श्रेष्ठ कवि क्यों कहा है?
उत्तर: लेखक ने कालिदास को श्रेष्ठ कवि कहा है क्योंकि लेखक के अनुसार कालिदास अनासक्त योगी रहे होंगे। उनका मन हर परिस्थिति में स्थिर, भाव एक समान एवं उनका

ह्रदय प्रेम से भरा होगा। जो एक श्रेष्ठ कवि के गुण को दर्शाता है।

4. "शकुंतला कालिदास के ह्रदय से निकली थी" का भावार्थ लिखो।
उत्तर: कालिदास के अनुसार शकुंतला अत्यधिक सुंदर थी क्योंकि कालिदास ने शकुंतला को उनकी बाहरी रूप सौंदर्य से नहीं बल्कि अपने मन की सुंदरता से देखा था। कालिदास के मन की दृष्टि के कारण ही शकुंतला उनके ह्रदय से निकली थी।

5. दुष्यंत द्वारा बनाए गए चित्र में क्या कमी थी?
उत्तर: राजा दुष्यंत ने शकुंतला का एक चित्र बनाया था। जिससे उनका मन रह रह कर इस बात पर विचलित हो उठता था जैसे उस चित्र में कुछ छूट सा गया हो। बाद में उन्हें यह समझ आया कि वे शकुंतला के कानों में शिरीष के फूल देना भूल गए हैं जिसके केसर गंड स्थल तक लटके हुए थे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न **5 अंक**

1. लेखक पुराने कवियों को क्यों फटकार लगाते हैं?
उत्तर: लेखक के अनुसार वात्स्यायन ने "कामसूत्रा" में वाटिका के सघन वृक्षों की छाया में ही झूला लगाने की बात कही है। परंतु किसी भी कवि ने शिरीष के वृक्ष पर झूला लगाने की बात नहीं कही है। पुराने कवि बकुल के वृक्ष पर झूला लगाना उपयुक्त मानते हैं। इसके विपरीत लेखक के अनुसार शिरीष के वृक्ष की डालियां कमजोर तो होती है परंतु उसमें झूला झूलनेवालियों का वजन भी तो कम होता है। इस बात पर लेखक पुराने कवियों को फटकार लगाते हैं।

2. लेखक के द्वारा किए गए शिरीष फूल का वर्णन करो।
उत्तर: लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार शिरीष फूल अजेयता के मंत्र का प्रतीक है। शिरीष के फूल एक सन्यासी की तरह हर परिस्थिति में एक समान बने रहते हैं। यह विपरीत परिस्थिति में भी अपने सौंदर्य और आकर्षण से लोगों के मन को लुभाते हैं। अर्थात शिरीष के फूल लोगों को यह सीख देना चाहती हैं कि हमें किसी भी परिस्थिति में हार नहीं मानना चाहिए एवं प्रतिकूल परिस्थिति में भी डटे रहना चाहिए।

3. लेखक ने हमारे आत्मविश्वास को कैसे झकझोरा है?
उत्तर: लेखक ने सांसारिक सुखों और मोह माया की बात करते हुए हमें यह बताया है कि किस प्रकार आज मनुष्य की गलत प्रवृत्तियों, हिंसा और ईर्ष्या की भावना ने मनुष्य को

मनुष्य का शत्रु बना दिया है। ऐसी चिंताजनक स्थिति हमारे समाज के लिए घातक है इसलिए मनुष्य को सांसारिक मोह माया को त्याग कर ऊपर उठने की प्रवृत्ति लाना आवश्यक है आगे चलकर ऐसे लोग ही आत्मविश्वास के प्रतिक बनते हैं।

4. लेखक ऐसा क्यों कहते हैं कि "ह्रदय की कोमलता को बचाने के लिए व्यवहार की कठोरता भी कभी-कभी जरूरी होती है"।

उत्तर: लेखक के अनुसार शिरीष अपनी कोमलता को सुरक्षा प्रदान करने हेतु बाह्य वातावरण सहन करता है एवं अपने स्थान पर बने रहता है। ठीक इसी प्रकार मनुष्य को भी अपने ह्रदय की कोमलता को बचाने के लिए कभी-कभी कठोर व्यवहार की आवश्यकता होती है। जिससे वह सामने आए विभिन्न परिस्थितियों का सामना कर सके। ताकि ह्रदय में किसी प्रकार का आघात ना पहुँचे और मन में दया का भाव बना रहे।

5. जो कवि अनासक्त नहीं रह सका, जो फक्कड़ नहीं बन सका, जो किए कराए का लेखा-जोखा मिलाने में उलझ गया, वह भी क्या कवि है?..... मैं कहता हूं कवि बनना है मेरे दोस्तों, तो फक्कड़ बनो। उपरोक्त वाक्यों का आशय स्पष्ट करो।

उत्तर:- लेखक के अनुसार एक संपूर्ण कवि वही है जो अनासक्त जीवन व्यतीत करता हो। अर्थात सांसारिक मोह माया एवं दुख सुख से परे हो। जो सांसारिक उपभोग विलासिता को त्याग कर फक्कड़ की भांति अपनी दुनिया में मग्न हो एवं जिनके ह्रदय में प्रेम हो। जिस प्रकार कबीर दास एक फक्कड़ थे। उनके इन्हीं गुणों के कारण वे एक महान कवि सिद्ध हुए। इसलिए एक महान कवि बनने के लिए फक्कड़पन का होना आवश्यक है।